11/06/2020

Subject - Home Science teaching — B.Ed 1st Year

Topic - Questioning Technique

प्रश्न प्रविधि

प्रश्न प्रविधि शिक्षा की एक महत्वपूर्ण प्रविधि है। यह एक प्राचीन प्रविधि है, गृह विज्ञान शिक्षण मे भी प्रश्न प्रविधि एक ऐसी विधि के रूप मे प्रयुक्त होती है जो शिक्षण के पूर्व निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने मे सहायक सिद्ध होती है। एक कुशल शिक्षिका को प्रश्नो को बनाना एवं पूछने की कला का ज्ञान एक प्रभावशाली शिक्षण के लिए अनिवार्य है।

टी० रेमान्ट के अनुसार - "प्रत्येक शिक्षक को यह आकांक्षा होनी चाहिए कि वह सही एवं सुन्दर प्रश्न करने की योग्यता प्राप्त करें। प्रश्नो के माध्यम से ही छात्राओं के मस्तिष्क को क्रियाशील भी बनाया जा सकता है।"

प्रश्नो का उपयोग निम्न उद्देश्यों के लिए भी किया जा सकता है।

(i) बालिकाओं के पूर्व ज्ञान, मनोदशा, रुचि एवं समस्याओं का पता लगाना।

(ii) छात्राओं को प्रस्तुत पाठ की ओर रुचि व ध्यान आकर्षित करना

(iii) छात्राओं मे जिज्ञासा भाव जागृत कर पूर्व अनुभवों को नवीन अनुभवों से जोड़ने के लिए।

(iv) पुनरावृत्ति व अभ्यास कार्यों हेतु

(v) छात्राओं के मूल्यांकन हेतु व महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर ध्यान केन्द्रित करने हेतु

(vi) शिक्षण कार्य तथा शिक्षण से सम्बन्धित अन्य विधियों व रीतियों आदि की सफलता का मूल्यांकन करने हेतु।

Scanned with CamScanner

प्रश्नों के प्रकार :- (i) प्रस्तावना प्रश्न - पूर्व ज्ञान की परीक्षा हेतु
(ii) विकासात्मक प्रश्न - पाठ के विकास हेतु
(iii) बोध प्रश्न - पाठ की समझ के आंकलन हेतु
(iv) तुलनात्मक प्रश्न - शिक्षक के अनबोधात्मक उद्देश्य की प्राप्ति हेतु
(v) परिभाषात्मक प्रश्न - परिभाषाओं के ज्ञान हेतु
(vi) पुनरावृत्ति प्रश्न - पाठ की पुनरावृत्ति हेतु
(vi) विश्लेषणात्मक प्रश्न - पाठ्यवस्तु के विश्लेषण हेतु
(viii) संश्लेषणात्मक प्रश्न - पाठ्यवस्तु के संश्लेषण हेतु
(ix) आलोचनात्मक प्रश्न - पाठ्यवस्तु के विवेचन हेतु
(x) ज्ञानात्मक प्रश्न - छात्रों के ज्ञान की स्तर की परख हेतु

प्रश्न पूछने की कला

(i) प्रश्न पूछते समय पूरी कक्षा के बच्चों से प्रश्न पूछे जाने चाहिए।
(ii) प्रश्नो की भाषा सहज एवं सरल होनी चाहिए।
(iii) प्रश्न ना ज्यादा कठिन व न ज्यादा सरल पूछने चाहिए।
(iv) प्रश्न पूछने के बाद छात्रों को सोचने का समय दिया जाना चाहिए।
(v) शिक्षक द्वारा छात्रों को उत्तर देने के लिए प्रेरित करना चाहिए।
(vi) प्रश्न उचित क्रम व आवाज मे पूछे जाने चाहिए।
(vii) प्रश्नो के उच्चारण मे कृत्रिमता नही होनी चाहिए।
(viii) प्रश्न पूछते समय व्यक्तिगत विभिन्नताओ को ध्यान मे रखना चाहिए।

Complete

Scanned with CamScanner